मेक इन इंडिया के 10 वर्ष

प्रारंभिक परीक्षा के लिये:

मेक इन इंडिया पहल, मेक इन इंडिया 2.0 चरण, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI), PLI योजनाएँ, पीएम गतिशक्ति, सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम, NLP, भारत का लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक (LPI), स्मार्ट सिटीज़, स्टार्टअप इंडिया पहल, वस्तु और सेवा कर (GST)।

मुख्य परीक्षा के लिये:

मेक इन इंडिया पहल के तहत की गई प्रमुख पहल, मेक इन इंडिया पहल का विश्लेषण, MII से संबंधित चुनौतियाँ और चिंताएँ।

स्रोत: पी.आई.बी

चर्चा में क्यों?

भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में **25 सितम्बर 2014** को शुरू की गई 'मेक इन इंडिया' पहल का एक दशक पूरा हो गया है।

'मेक इन इंडिया' पहल क्या है?

- **परिचय:** इस अभियान को **निवेश को सुविधाजनक बनाने, नवाचार एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने,** बौद्धिक संपदा की रक्षा करने तथा सर्वश्रेष्ठ विनिर्माण बुनियादी ढाँचे का निर्माण करने के लिये शुरू किया गया था।
- **उद्देश्य:**
  - विनिर्माण क्षेत्र की संवृद्धि दर को **बढ़ाकर 12-14% प्रतिवर्ष करना।**
  - **वर्ष 2022 तक** (संशोधित तिथि 2025) **विनिर्माण से संबंधित 100 मिलियन अतिरिक्त रोज़गार** सृजित करना ।
  - **वर्ष 2025 तक** सकल घरेलू उत्पाद **में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान** बढ़ाकर 25% करना।
- **'मेक इन इंडिया' के स्तंभ:**
  - **नई प्रक्रियाएँ: इसके तहत 'व्यापार करने में सुलभता' को** उद्यमशीलता के लिये महत्त्वपूर्ण माने जाने के साथ स्टार्टअप्स और स्थापित उद्यमों **के लिये कारोबारी माहौल में सुधार के उपायों को लागू किया गया।**
  - **नवीन बुनियादी ढाँचा:** सरकार ने विश्व स्तरीय बुनियादी ढाँचा बनाने के लिये **औद्योगिक गलियारों एवं स्मार्ट शहरों के विकास को प्राथमिकता दी।**
    - इसके तहत सुव्यवस्थित पंजीकरण प्रणालियों और बेहतर बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) संबंधी बुनियादी ढाँचे के माध्यम से नवाचार और अनुसंधान को भी बढ़ावा दिया गया।
  - **नवीन क्षेत्र: रक्षा उत्पादन, बीमा, चिकित्सा उपकरण, विनिर्माण और रेलवे अवसंरचना** सहित विभिन्न क्षेत्रों में **प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI)** की सुविधा प्रदान की गई।
  - **नई मानसिकता:** इसके तहत सरकार ने **नियामक के बजाय सुविधाप्रदाता की भूमिका निभाई** तथा देश के आर्थिक विकास को गति देने के लिये उद्योगों के साथ साझेदारी को बढ़ावा दिया।
- **मेक इन इंडिया 2.0:** वर्तमान में चल रहा "मेक इन इंडिया 2.0" चरण (जिसमें 27 क्षेत्र शामिल हैं) इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के साथ वैश्विक विनिर्माण क्षेत्र में एक प्रमुख पहलू के रूप में भारत की भूमिका को मज़बूत कर रहा है।

मेड इन चाइना 2025

- इस पहल का उद्देश्य चीन की अर्थव्यवस्था को **कम लागत वाले विनिर्माण आधार से उच्च मूल्य वाले उत्पादों और सेवाओं के उत्पादक के रूप में परिवर्तित करना है।** इस योजना के लक्ष्य इस प्रकार हैं:
  - घरेलू स्तर पर प्राप्त **मुख्य सामग्रियों की हिस्सेदारी को वर्ष 2020 के 40% से** बढ़ाकर वर्ष **2025 में 70% करना।**
  - सेमीकंडक्टर, एयरोस्पेस और रोबोटिक्स सहित **10 प्रमुख क्षेत्रों में तकनीकी सफलता** हासिल करना।
  - ऊर्जा एवं संसाधन के उपभोग को कम करना।

- विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्द्धी फर्मों और औद्योगिक केंद्रों का विकास करना।

मेक इन इंडिया को सक्षम बनाने के लिये उठाए गए प्रमुख कदम कौन से हैं?

- **उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (PLI) योजनाएँ:** PLI **योजनाओं का** उद्देश्य 14 प्रमुख क्षेत्रों को कवर करके **घरेलू विनिर्माण तथा निर्यात** को बढ़ावा देना है।
- **जुलाई 2024 तक प्रगति: कुल निवेश 1.23 लाख करोड़ रुपये तक पहुँचने के साथ लगभग 8 लाख रोज़गार सृजित हुए।**
- पीएम गतिशक्ति: **इसे वर्ष 2025 तक 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था प्राप्त करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था।**
  - यह पहल आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिये **मल्टीमॉडल और अंतिम-मील कनेक्टिविटी बुनियादी ढाँचे की स्थापना पर केंद्रित है।**
  - यह **पहल सात प्राथमिक चालकों पर आधारित है:** रेलवे, सड़क, बंदरगाह, जलमार्ग, हवाई अड्डे, जन परिवहन और रसद अवसंरचना।
- **सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकास:** एक स्थायी सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले इकोसिस्टम विकसित करने के लिये **वर्ष 2021 में सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम को मंज़ूरी दी गई** थी।
- राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (NLP): **इसे उन्नत प्रौद्योगिकी, बेहतर प्रक्रियाओं और कुशल जनशक्ति के माध्यम से भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को बढ़ावा देने हेतु शुरू किया गया था।**
  - इसके लक्ष्यों में लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना, **भारत की लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक (LPI) रैंकिंग को वर्ष 2030 तक शीर्ष 25 में लाना** तथा डेटा-संचालित निर्णय समर्थन प्रणाली विकसित करना है।
- **औद्योगीकरण और शहरीकरण:** राष्ट्रीय **औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम** भारत की प्रमुख बुनियादी ढाँचा पहल है, जिसका उद्देश्य **"स्मार्ट शहरों" और उन्नत औद्योगिक केंद्रों का विकास करना है।**
- स्टार्टअप इंडिया: **इसे उद्यमियों को समर्थन देने, एक मज़बूत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र निर्मित करने और भारत को रोज़गार चाहने वालों के बजाय रोज़गार सृजक देश में बदलने हेतु शुरू किया गया था।**
  - सितंबर 2024 तक भारत में **वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है** जिसमें 148,931 DPIIT द्वारा मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं, जिनके माध्यम से 15.5 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोज़गार सृजित हुए हैं।
- **कर सुधार: वस्तु एवं सेवा कर (GST),** भारत की कर प्रणाली में एक महत्त्वपूर्ण सुधार है।
- एकीकृत भुगतान इंटरफेस: **UPI की वैश्विक स्तर पर रियल टाइम भुगतान में 46% की हिस्सेदारी है, जो डिजिटल वित्त में इसकी प्रमुख भूमिका पर प्रकाश डालता है।**
  - अप्रैल से जुलाई 2024 तक UPI द्वारा लगभग 81 लाख करोड़ रुपये के लेन-देन की सुविधा प्रदान की गई, जो इसके बढ़ते उपभोक्ता विश्वास का परिचायक है।

मेक इन इंडिया के अंतर्गत प्रमुख उपलब्धियाँ क्या हैं?

- **टीकाकरण की वैश्विक आपूर्ति: भारत ने** स्वदेशी टीकों की मदद से रिकॉर्ड **कोविड-19 टीकाकरण कवरेज हासिल करने के साथ विश्व स्तर पर लगभग 60% टीकों की आपूर्ति करके एक अग्रणी निर्यातक की भूमिका निभाई।**
- **वंदे भारत रेलगाड़ियाँ: यह भारत की पहली स्वदेशी सेमी-हाई स्पीड रेलगाड़ी है जो 'मेक इन इंडिया' पहल का उदाहरण है।**
  - वर्तमान में 102 सेवाएँ (51 रेलगाड़ियाँ), कनेक्टिविटी को बढ़ाने के साथ रेल प्रौद्योगिकी में प्रगति को प्रदर्शित कर रही हैं।
- **रक्षा उत्पादन की उपलब्धियाँ: भारत के पहले घरेलू स्तर पर निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत** का जलावतरण रक्षा में आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रगति का प्रतीक है।
  - **वर्ष 2023-24 में रक्षा उत्पादन 1.27 लाख करोड़ रुपये तक पहुँचने के साथ 90 से अधिक देशों को निर्यात किया गया।**
- **इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में संवृद्धि: भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र वित्त वर्ष 23 तक 155 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक विस्तारित हो गया है जिसका उत्पादन वित्त वर्ष 17 से लगभग दोगुना हो गया है। इस उत्पादन में मोबाइल फोन का योगदान 43% है जिसके साथ ही भारत, वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता बन गया है।**
- **निर्यात:**
  - **व्यापारिक वस्तुएँ: वित्त वर्ष 2023-24 में इनका निर्यात 437.06 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया।**
  - रक्षा क्षेत्र हेतु जूते: 'मेड इन बिहार' जूते रूसी सेना में शामिल किये गए हैं।
  - कश्मीर विलो बल्ले: इन बल्लों को अंतरराष्ट्रीय लोकप्रियता मिली है, जो क्रिकेट में भारत की शिल्पकला और प्रभाव का परिचायक है।
  - अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अमूल का विस्तार: अमूल ने अमेरिका में अपने डेयरी उत्पाद लॉन्च किये हैं, जो भारतीय डेयरी के वैश्विक महत्त्व को रेखांकित करता है।
- वस्त्र उद्योग रोज़गार: वस्त्र क्षेत्र से लगभग 14.5 करोड़ रोज़गार सृजित हुए हैं।
- खिलौना उत्पादन: भारत में प्रतिवर्ष लगभग 400 मिलियन खिलौनों का उत्पादन होता है तथा प्रति सेकंड 10 नए खिलौने निर्मित किये जाते हैं।

मेक इन इंडिया कार्यक्रम से संबंधति चुनौतियाँ क्या हैं?

- **वैश्वकि विनिर्माण सूचकांक: वर्ष** 2023 के अनुसार **भारत वैश्वकि विनिर्माण सूचकांक में 5वें स्थान** (चीन और अमेरिका जैसे देशों से पीछे) **पर रहा** है, जिससे प्रतस्पिर्द्धात्मकता की आवश्यकता पर प्रकाश पड़ता है।
- **सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण का योगदान:** विनिर्माण **क्षेत्र ने वत्ति वर्ष 2022-23 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में केवल लगभग 17% का योगदान दयाि,** जिससे इस क्षेत्र में वकिास को प्रोत्साहति करने वाली नीतियों की आवश्यकता पर प्रकाश पड़ता है।
  - हालाँकि वर्ष **2025 तक 25% योगदान के लक्ष्य तक पहुँचने के लयि इसमें पर्याप्त सुधार आवश्यक हैं।**
- **कौशल वकिास का अभाव: भारत कौशल रपिोर्ट, 2024 से** पता चलता है कि भारत के लगभग **60% कार्यबल में विनिर्माण संबंधी रोज़गार हेतु प्रासंगकि कौशल का अभाव है,** जिससे इस क्षेत्र के संभावति वकिास में बाधा आती है।
- **आपूर्ति शृंखला संबंधी चुनौतियाँ:** कोविड-19 महामारी से **वैश्वकि आपूर्ति शृंखलाओं की कमज़ोरियों का पता लगा है,** जिससे भारत का विनिर्माण परदृिश्य प्रभावति हो रहा है।
  - आपूर्ति शृंखलाओं के स्थानीयकरण की दशिा में बदलाव आवश्यक है लेकनि यह अभी भी अवकिसति है।
- **नविेश लक्ष्य:** सरकार ने वर्ष 2025 तक विनिर्माण क्षेत्र में 100 बलियिन अमेरिकी डॉलर का नविेश आकर्षति करने का लक्ष्य रखा है।
  - वर्ष 2023 तक केवल 23 बलियिन अमेरिकी डॉलर का ही नविेश हासलि कयाि जा सका है,**जिससे लक्ष्य एवं वास्तवकिता के बीच के अंतर पर प्रकाश पड़ता है।**
- **नवप्रवर्तन और अनुसंधान एवं वकिास:** भारत का अनुसंधान एवं वकिास **(R&D) व्यय का जीडीपी से अनुपात 0.7%** है, जो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में बहुत कम है **तथा वैश्वकि औसत (1.8%) से भी काफी कम है।**

आगे की राह

- **विनियिमनों को सरल बनाना:** व्यापार-अनुकूल वातावरण बनाने के लयि नौकरशाही प्रक्रयिाओं और श्रम कानूनों को सरल बनाना चाहयि।
  - उदाहरण के लयि, भारत में वर्ष 2019 और 2020 में पारति **चार श्रम संहतिाओं को** अभी तक लागू नहीं कयाि गया है।
- **बुनयिादी ढाँचे में नविेश:** विनिर्माण दक्षता में सुधार के लयि परविहन नेटवर्क और लॉजस्टिकि्स प्रणालयिों को उन्नत बनाना चाहयि।
- **कौशल वकिास कार्यक्रम:** कार्यबल में कौशल अंतराल को दूर करने के लयि लक्षति कौशल वकिास पहलों को लागू करना चाहयि।
  - दक्षणि कोरयिा जैसे देशों **में 90% जनसंख्या कुशल है इस क्रम में** भारत को उद्योग की आवश्यकता के अनुसार पहल करनी होगी।
- **अनुसंधान एवं वकिास में नविेश को प्रोत्साहति करना:** कर प्रोत्साहन सहति अनुसंधान एवं वकिास में नविेश बढ़ाकर नवाचार को बढ़ावा देना चाहयि।
- **स्थानीय आपूर्ति शृंखलाओं को बढ़ावा देना:** आयात पर नरि्भरता कम करने तथा अनुकूलन बढ़ाने के लयि घरेलू आपूर्ति शृंखलाओं को मज़बूत करना चाहयि।
- **वदिेशों के साथ व्यापार संबंधों को बढ़ावा देना:** वदिेशी नविेश को आकर्षति करने और प्रौद्योगकिी हस्तांतरण को सुवधिाजनक बनाने के लयि व्यापार संबंधों को बढ़ावा देना चाहयि।
  - **वर्ष 2023-24 के आर्थकि सर्वेक्षण से** पता चलता है कि भारत चीन से FDI आकर्षति करके **चीन से होने वाले नविेश से लाभान्वति हो सकता है।**
- **नगिरानी और मूल्यांकन:** संबंधति बाधाओं और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने के साथ की जाने वाली पहल के प्रभाव की नगिरानी हेतु ढाँचा स्थापति करना चाहयि।

⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰ ⍰⍰⍰⍰⍰⍰ ⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰ ⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰:

प्रश्न: मेक इन इंडयिा पहल के कार्यान्वयन के दस वर्ष पूरे होने के आलोक में इससे संबंधति प्रगति और चुनौतियों का मूल्यांकन कीजयि।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰:

प्रश्न. 'वस्तु एवं सेवा कर (गुड्स एंड सर्वसिेज़ टैक्स GST)' के क्रयिान्वति कयि जाने का/के सर्वाधकि संभावति लाभ क्या है/हैं? (2017)

1. यह भारत में बहु प्राधकिरणों द्वारा वसूल कयि जा रहे बहु करों का स्थान लेगा और इस प्रकार एकल बाज़ार स्थापति करेगा।
2. यह भारत के 'चालू खाता घाटे' को प्रबलता से कम कर उसके वदिेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने हेतु उसे सक्षम बनाएगा।
3. यह भारत की अर्थव्यवस्था की समृद्धि एवं आकार को बृहद रूप से बढ़ाएगा और उसे नकिट भवषि्य में चीन से आगे नकिल जाने योग्य बनाएगा।

नम्निलखिति कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनयि:

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

?????:

प्रश्न. "भारत में बनाइये' कार्यक्रम की सफलता, 'कौशल भारत' कार्यक्रम और आमूल श्रम सुधारों की सफलता पर निर्भर करती है।" तर्कसम्मत दलीलों के साथ चर्चा कीजिये। **(2015)**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/make-in-india-celebrates-10-years